ET THE ECONOMIC TIMES हिंदी
Hindi

ॉर्ड तेज ांता की कॉपर स्टोरी, शेयर पर निवेशकों की

Advertisement

ET Online ;, 12:40 pm IST

को सिलेव

ॅर्ड हाई प ा सीधा फायदा Vedanta के कॉपर कारोबार को मिल सकता है।
17 डॉलर पर पहुंचा है। ऐसे में वेदांता के शेयर पर निवेशकों की नजर बढ़ गई

कॉपर की रिकॉर्ड तेजी से चमकी वेदांता की कॉपर स्टोरी, शेयर पर निवेशकों की नजर।

कॉपर की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी ने एक बार फिर वेदांता लिमिटेड के कॉपर कारोबार को निवेशकों के रडार पर ला दिया है। लंदन मेटल एक्सचेंज पर इस सप्ताह कॉपर की कीमत 14,617 डॉलर प्रति टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। यह जनवरी में बने पिछले रिकॉर्ड से भी ऊपर है। इस साल अब तक कॉपर की कीमत करीब 17 फीसदी बढ़ चुकी है।

कॉपर की इस तेजी के पीछे एक साथ कई वजहें काम कर रही हैं। खदानों से सप्लाई में कमी , रिफाइंड कॉपर पर संभावित अमेरिकी टैरिफ और इससे वैश्विक ट्रेड फ्लो में बदलाव के अलावा इलेक्ट्रिफिकेशन, रिन्यूएबल एनर्जी, पावर इंफ्रास्ट्रक्चर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) से जुड़ी मांग तेजी से बढ़ रही है। खासकर डेटा सेंटर, पावर ग्रिड और क्लीन एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर में कॉपर की जरूरत बढ़ने से इसकी मांग को लंबी अवधि का सपोर्ट मिल रहा है।

सप्लाय की कमी ने बढ़ाई चिंता

कमोडिटीज़(MCX)

Powered by ET

MCX: Aug 28, 11:40 PM — और पढ़ें ›

Commodity	Price(INR)	Change	%
सोना / Gold	156400.0	-2596.00	-1.63
चांदी / Silver	236651.0	-4000.00	-1.66
क्रूड तेल / Crude Oil	7987.0	23.00	0.29
मेंथा ऑयल / Menthol Oil	1176.2	0.00	0.0

कॉपर बाजार में सप्लाई की तस्वीर भी कीमतों को सहारा दे रही है। इंडस्ट्री के आंकड़े देखें तो साल 2026 की पहली छमाही में कॉपर माइन का उत्पादन करीब 1 फीसदी घटा, जबकि कॉपर कंसन्ट्रेट का उत्पादन 2.6 फीसदी कम हुआ। दूसरी ओर संभावित अमेरिकी टैरिफ से पहले ट्रेडर्स रिफाइंड कॉपर की उपलब्ध सप्लाई को अमेरिका की ओर भेज रहे हैं। इससे दुनिया के दूसरे बाजारों में उपलब्धता पर दबाव बढ़ने की आशंका है।

Advertisement

Advertisement

डोलट कैपिटल के ग्रुप सीईओ और इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के प्रमुख अमित खुराना के अनुसार वैश्विक मांग मजबूत बनी हुई है और संभावित सप्लाई कमी की आशंका भी है। ऐसे माहौल में उत्पादकों को ऊंची कॉपर कीमतों का फायदा मिलता रह सकता है और यह स्थिति अगले कुछ तिमाहियों तक जारी रहने की संभावना है।

वेदांता को मिल सकता है ऊंची कीमतों का फायदा

कॉपर की इस तेजी का सीधा फायदा बड़े उत्पादकों को मिल सकता है और इनमें वेदांता भी शामिल है। कंपनी के कॉपर कारोबार ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में भारत में आठ साल में सबसे ज्यादा कॉपर रॉड उत्पादन और बिक्री दर्ज की। इस दौरान कंपनी ने 8.9 मिलियन डॉलर का कॉपर EBITDA दर्ज किया, जबकि औसत कॉपर कीमत 13,329 डॉलर प्रति टन रही।

अब कॉपर की कीमत इस औसत से काफी ऊपर पहुंच चुकी है। ऐसे में यदि ऊंची कीमतें बनी रहती हैं तो मौजूदा उत्पादन स्तर पर कंपनी के रियलाइजेशन और मार्जिन को फायदा मिल सकता है। बढ़ती मांग के बीच वॉल्यूम बढ़ाने की क्षमता भी वेदांता के कॉपर कारोबार के लिए अहम हो सकती है।

एआई, रिन्यूएबल एनर्जी और पावर ग्रिड में निवेश बढ़ने के साथ कॉपर की भूमिका सिर्फ एक कमोडिटी तक सीमित नहीं रह गई है। इन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर कॉपर की जरूरत होती है और फिलहाल इसका कोई आसान विकल्प नहीं है। ऐसे में रिकॉर्ड कॉपर कीमतों के बीच वेदांता का बेहतर होता कॉपर कारोबार निवेशकों के लिए एक महत्वपूर्ण ट्रैकिंग प्वाइंट बन गया है।

सूचकांक

Nifty Next 50
Current Price 70281.15 — Change -1802.56 (-2.5%)

Nifty Midcap 100
Current Price 60878.25 — Change -1318.95 (-2.12%)

Nifty Bank
Current Price 55794.75 — Change -811.81 (-1.43%)

Nifty Alpha 50
Current Price 54486.9 — Change -1828.5 (-3.25%)

Nifty500 Momentum 50
Current Price 53079.7 — Change -1942.16 (-3.53%)

Nifty MidSmallcap400 Momentum Quality 100 index
Current Price 50066.6 — Change -1224.71 (-2.39%)

और देखें

Advertisement

आपके पसंद की स्टोरी

निवेशकों को हर शेयर पर 65 रुपये का डिविडेंड देगी ये कंपनी, स्टॉक…

FII ने पहले तो इन 6 स्मॉलकैप शेयरों को 2 क्वार्टर तक जमकर…